मानविकी विद्याशाखा

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT) - 2015 -16

फलित ज्योतिष में प्रमाण पत्र (CPJ-11) - षाण्मासिक पाठ्यक्रम

ज्योतिष

जमा करने की अन्तिम तिथि – 15 जनवरी 2016

कोर्स शीर्षक - फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त **कोर्स कोड - PJ - 102**

शैक्षिक सत्र - 2015 – 16 **अधिकतम अंक – 40**

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' में 4 प्रश्न दिये गये हैं। जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड – 'क'

1. भारतीय ज्योतिष का काल विभाजन पर संक्षिप्त प्रकाश डालिये ।
2. कर्क एवं सिंह राशि का स्वरूप एवं गुण – धर्म का वर्णन कीजिये ।
3. ज्योतिष के प्रवर्तकों का उल्लेख कीजिये ।
4. गुरू एवं शुक्र ग्रह का स्वरूप वर्णन कीजिये।
5. ग्रहों के बालादि अवस्थाओं का वर्णन कीजिये।
6. पंचम भाव पर टिप्पणी लिखिये ।
7. सूर्य का द्वादश भावों में फल लिखिये।
8. अनफादि योगों को उदाहरण सहित समझाइए ।

खण्ड - 'ख'

1. पंचमहापुरूष योग को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये ।
2. राजयोग से आप क्या समझते है ? उदाहरण सहित समझाइए ।
3. ग्रहों का परिचय देते हुए उनकी दृष्टियों का उल्लेख कीजिये।
4. ज्योतिषोक्त अरिष्टभंग योगों की विवेचना कीजिये।